संलग्नक ।
एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा सुझाई सीखने सिखाने की प्रक्रिया
अपनी भाषा में बातचीत तथा चर्चा करने के अवसर हों ।
प्रयोग की जाने वाली भाषा की बारीकियों पर चर्चा के अवसर हों
समूह में कार्य करने और एक दूसरे के कार्यों पर चर्चा करने, राय लेने-देने प्रश्न करने की स्वतंत्रता हो।
हिंदी के साथ-साथ अपनी भाषा की सामग्री पढ़ने-लिखने की सुविधा (ब्रेल/सांकेतिक रूप में भी) और उन पर बात चीत की आज़ादी हो।
अपने परिवेश, समय और समाज से समन्धित रचनाओं को पढ़ने और उनपर चर्चा करने के अवसर हों ।
अपनी भाषा गढ़ते हुए लिखने सम्बन्धी गतिविधियाँ हो, जैसे -शब्द खेल,अनौपचारिक पत्र, तुकबंदियाँ , पहेलियाँ, संस्मरण आदि ।
सक्रिय और जागरूक बनाने वाली रचनाएँ, अख़बार, पत्रिकाएँ, फ़िल्म और ऑडीओ-विडीयो सामग्री को देखने, सुनने, पढ़ने, और लिख कर अभिव्यक्त करने की गतिविधियाँ हों।
कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विकसित करने वाली गतिविधियों, जैसे - अभिनय, रोले -प्ले, कविता, पाठ, सृजनात्मक लेखन, विभिन्न स्थितियों में संवाद आदि के आयोजन हों और उनकी तैयारी सेसम्बंधित स्क्रिप्ट लेखन और रिपोर्ट लेखन के अवसर हों ।
विद्यालय/विभाग/कक्षा की पत्रिका भित्ति पत्रिका निकालने के लिए प्रोत्साहन हो।

संलग्नक II
मन - मानचित्रण(मैपिंग) कक्षा 7 हिन्दी विषय सी. बी. एस. सी. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल के साथ
विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं ।
किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखक द्वारा रचना के परिपेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकरऔरअपने ढंग से मौखिक/ सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं ।
किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक, /सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं।
पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं/ परिचर्चा करते हैं ।
अपने परिवेश में मौजूद लोक-कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं ।
विविधकलाओं , जैसे - हस्तकला, वास्तुकला,खेती-बाड़ी, नृत्यकलाऔर इनमें प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हें समझने का प्रयास करते हैं ।
विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं, जैसे - बरसात के दिनों में हरा भरा होना? विषय पर चर्चा ।
विभिन्न संवेदनशीलमु द्दों/विषयों, जैसे - जाति,धर्म, रंग, जेंडेर, रीति-रिवाज के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं ।
किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं ।
किसी पाठ्यवस्तु की बारी की से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं ।

पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं ।
विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों,मुहावरों,लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।
कहानी ,कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीक़ों और शैलियों को पहचानतेहैं, जैसे - वर्णात्मक, भावात्मक,प्रकृति, चित्रण आदि ।
किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे - शब्दकोश, मानचित्र, इंटर्नेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।
विविध कलाओं जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं।
भाषा की बारीकियों/व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे - किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग - आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल रेल जैसे प्रयोग।
विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे - अपनी गाँव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह तरह के कार्य करने वालों की बातचीत ।
हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/पत्रिका, कहानी, जानकारिपरक सामग्री, इंटर्नेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।
अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।
विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम - चिन्हों एवं अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसे - काल, क्रिया विशेषण, शब्द युग्म आदि का प्रयोग करते हैं
विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे - जाति,धर्म, रंग, जेंडेर, रीतिरिवाज के बारे में लिखित रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं ।
भित्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं ।

संलग्नक III			
मन-मानचित्र (मैपिंग) कक्षा-7- हिंदी विषय सी. बी. एस. ई . द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल			
नोट - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम सीखने के प्रतिफल			
पाठ -1	**विषय कवर किए गए**	**शिक्षण के लक्ष्य**	**सीखने के प्रतिफल**
पाठ-1- हम पंछी उन्मुक्त गगन के	श्रवण वाचन कौशल का विकास	कविता को सुनने और समझने के बाद छात्र उसमे बताए गए भाव व संदेश को समझ पाएँगे। बंधन में रहना किसी को पसंद नहीं होता। कक्षा में चर्चा की जाएगी कि क्यों आजादी की हवा में सांस लेने को व्याकुल पंछी सब सुख सुविधा छोड़ने को तैयार है। इस प्रकार ना केवल वाचन होगा अपितु पंछी की व्यथा के माध्यम से छात्रों मे करुणा के भाव जागृत होगे। पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं । अपने पालतू पशु या पक्षी के साथ अपने संबंध पर चर्चा कर पाएंगे।
	पठन कौशल का विकास	छात्रों द्वारा कविता का क्रमानुसार उचित लय और ताल का ध्यान रखते हुए शुद्ध उच्चारण द्वारा पठन करते हुए अर्थ ग्रहण किया जाएगा। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम सात वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	

	लेखन कौशल का विकास	कविता के माध्यम से कवि ने छात्रों के मन में असहाय प्राणियों के प्रति संवेदना के भाव जागृत करने का प्रयास किया है। पाठ के अंत मे पाठ संबंधी अपनी भावनाओं को लिखकर व्यक्त करने सक्षम होंगे । एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द विकास कौशल	पाठ के अंत मे कविता में प्रयुक्त विभिन्न नए शब्दों में से किन्ही 8 से 10 शब्दों का अर्थ व वाक्य प्रयोग समझाते हुए शब्द भंडार में वृद्धि की जाएगी। पंछी , उन्मुक्त , पिंजर , कनक , पुलकित	किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखक द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने-अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के सन्दर्भ मैं अपने विचार अभिव्यक्त करते है।
	विभेदित मूल्यांकन	कविता से प्राप्त शिक्षा का वर्णन करते हुए छात्रों द्वारा कविता सुनाई जाएगी। कठिन शब्दों का श्रुतलेख दिया जाएगा। संक्षिप्त प्रश्नों के माध्यम से कविता का मूल्यांकन किया जाएगा । जैसे - सब सुख सुविधा पाने के बाद पंछी प्रसन्न क्यों नहीं है पक्षियों को पालना उचित है या नहीं	

	नैतिक मूल्य	असहाय व बेजुबान पशु -पक्षियों के प्रति छात्रों के मन में करुणा ,दया व प्रेम का भाव जागृत करना। पालतू या जंगली जानवरों के प्रति किसी भी प्रकार की हिंसा को बढ़ावा ना देना। अपने भोजन का कुछ अंश पशु पक्षियों के प्रति समर्पित करने का भाव जागृत करना।	

पाठ - 2	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 2 दादी माँ	श्रवण वाचन कौशल का विकास	● बुजुर्गों का जीवन में महत्व समझाते हुए पाठ का वाचन करवाया जाएगा। ● समाज के ग्रामीण जीवन एवं मध्यम वर्ग के चरित्र का वर्णन किया जाएगा । ● पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनभुव को अपने ढंग से मौखिक,/सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं।
	पठन कौशल का विकास	● समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। ● पाठ को व्याख्यात्मक पद्धति से समझाया जाएगा। ● शब्दों के शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाएगा। ● विराम चिन्हों के प्रयोग पर ध्यान दिया जाएगा।	

		• पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम सात वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे। •	
	लेखन कौशल का विकास	• अपने दादा या दादी के बारे में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों की लेखन कौशल मे विकास होगा। • लिखते समय मात्राओं की शुद्धता पर बल दिया जाएगा।• • पाठ के अंत में कम से कम पांच शब्दों के अर्थ लिखने में सक्षम होंगे | • जैसे - आषाढ़ , शुभचिंतक , कमजोर , जलाशय आदि • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द विकास कौशल-	• पाठ के अंत मे पाठ में प्रयुक्त 8 से 10 शब्दों को समझते हुए शब्द भंडार मैं वृद्धि करने में सक्षम होंगे ।	

		• जैसे- 2 पुनरुक्त शब्द अपने -अपने ,2 विलोम शब्द रात- दिन, 2 योजक शब्द जरा- सी और 2 नुक्ता शब्द आदि खोज कर लिखने में सक्षम होंगे ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • अपने पारिवारिक परिवेश की चर्चा करेंगे । • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से मूल्यांकन किया जाएगा । जैसे - 1 लेखक के जीवन में प्रेरणा स्रोत कौन थी 2 पाठ में प्रयुक्त हिंदी के महीनों के नाम बताइए • प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जाएगा।	
	नैतिक मूल्य	• बुजुर्गों से मिलने वाले अथाह निस्वार्थ प्रेम की भावना से अवगत कराना। • अपने बुजुर्गों को यथा योग्य आदर और सम्मान देना । • अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय उनकी सेवा के लिए निकालना। • उनसे मिलने वाली सीख और ज्ञान का मूल्य समझना।	

पाठ - 3	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-3-हिमालय की बेटियाँ	श्रवण वाचन कौशल का विकास	• पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ना । • हिमालय पर्वत व उससे निकलने वाली पवित्र नदियों के बारे में समझाना। • लेखक द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का मानवीकरण किया गया है उसके विषय में बताना। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	अपने परिवेश में मौजूद लोक-कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं । ।
	पठन कौशल का विकास	• लेखक ने हिमालय पर्वत व नदियों को पिता व पुत्री के समान प्रस्तुत किया है। चर्चा करते हुए पठन अभ्यास किया जाएगा। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम सात वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• पाठ के अंत में छात्र प्रकृति से मिलने वाले संसाधनों को सुरक्षित रखने हेतु किए जाने वाले उपायों पर लेखन कार्य करेंगे। • हिमालय पर्वत से निकलने वाली किन्ही 5 नदियों की सूची तैयार करेंगे।	

		• पाठ के अंत मे नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझ कर वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे । • जैसे- रावि , सतलुज, व्यास ,चनाब, झेलम आदि • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत मे 8 से 10 नवीन शब्दों का वाक्य प्रयोग करते हुए अभ्यास करेंगे और शब्द भंडार में वृद्धि करने में सक्षम होंगे । जैसे- मूसलाधार , समतल, चंचल आदि	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : • चर्चा लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी • पाठ के अंत में दिए आलेखीय अभ्यासो की सहायता से मूल्यांकन किया जाएगा। जैसे -	

		1 सिंधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएं बताई गई है 2 हिमालय की यात्रा में लेखक ने किन-किन की प्रशंसा की है	
	नैतिक मूल्य	• प्रकृति की अमूल्य धरोहर नदियों को स्वच्छ रखने का संकल्प लेंगे। • पहाड़ों की सुंदरता और पवित्रता को बनाए रखने में सहयोग देने का प्रण लेंगे।	

पाठ - 4	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 4-कठपुतली	श्रवण वाचन कौशल का विकास	• विद्यार्थियों को स्वाभिमान से जीने के लिए प्रेरित करना । • राजस्थान के प्रचलित खेल कठपुतली के माध्यम से पराधीन रहने के दुष्परिणामों से परिचित कराते हुए वाचन अभ्यास कराया जाएगा। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। •	• कहानी ,कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीक़ों और शैलियों को पहचानते हैं, जैसे-कलात्मक , भावात्मक,प्रकृति, चित्रण आदि।
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंक का पाठन करेंगे।	• विविध कलाओं, जैसे,हस्तकला वास्तुकला,खेतीबाड़ी नृत्यकला आदि

		• विद्यार्थियों को कवि की अन्य कविताओं के माध्यम से जीवन की यथार्थताओं से परिचित कराना । • शब्दों व मात्राओं के शुद्ध उच्चारण पर ध्यान देना । • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम सात वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं।
	लेखन कौशल का विकास	• राजस्थान की परम्पराओं के बारे में कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों की लेखन कौशल को जानना। • पाठ के अंत मे किसी के हाथ की कठपुतली बनकर जीना कितना मुश्किल है इस विषय पर छात्र अपने विचार 40-50 शब्दो मे लिखेगे , लेखन कौशल का विकास होगा| • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना।	

		• पाठ के अंत मे वाक्य प्रयोग के माध्यम से 8 से 10 नए शब्दों को सीखने मे सक्षम होंगे। जैसे - कठपुतली, धागे, पाव ,पहली , छंद	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • राजस्थानी परम्पराओं पर चर्चा। • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • कविता को कंठस्थ कर कक्षा में प्रस्तुत करेंगे। • नए शब्दों के अर्थ और श्रुतलेख लिया जाएगा।	
	नैतिक मूल्य	स्वतंत्रता का महत्व समझना और स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति मन में श्रद्धा और आदर के भाव जागृत करते हुए अपने देश की स्वतंत्रता को बनाए रखने का प्राण लेना।	

पाठ - 5	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 5-मिठाईवाला	श्रवण वाचन कौशल का विकास	• शिक्षक द्वारा पढ़ाई गए पाठ को विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुनेंगे। पाठ के नायक खिलौने वाले की मनोदशा पर चर्चा करते हुए वाचन अभ्यास करेंगे। • लेखक के अनुसार जीवन में खुशी और संतोष पाने के लिए पैसों की आवश्यकता नहीं होती। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	विविधकलाओं , जैसे - हस्तकला, वास्तुकला,खेती-बाड़ी, नृत्यकलाऔर इनमें प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हें समझने का प्रयास करते हैं ।

	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पाठन करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम सात वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• पाठ के अंत मे पाठ के नायक के जीवन में आए कठिन समय का धैर्य पूर्वक सामना करने के विषय में छात्र अपने विचार 40-50 शब्दो मे प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे । • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत मे 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझ कर वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे । जैसे- छज्जा , चेष्टा , कोलाहल ,मृदुल आदि ।	

		• पाठ में प्रयुक्त विभिन्न व्याकरण विषयों को जानना।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी • पाठ के अंत में दिए विभिन्न अभ्यासो के माध्यम से मूल्यांकन किया जाएगा।	
	नैतिक मूल्य	• जीवन में आने वाले कठिन समय में भी धैर्य और साहस के साथ सामंजस्य बिठा कर चला जाना चाहिए। • दूसरों की खुशियों में अपनी खुशियों को ढूंढ कर शांति का अनुभव प्राप्त किया जा सकता है।	

पाठ -6	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 6-रक्त और हमारा र	श्रवण वाचन कौशल का विकास	• शिक्षक द्वारा रक्त के उपयोग एवं उससे प्राप्त होने वाली ऊर्जा के तथ्य से परिचित करवाते हुए पाठ को पढ़कर समझाया और कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे।। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह	अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

		वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पाठन करेंगे। • विद्यार्थियों को विज्ञानं से जोड़ना । • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम सात वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• पाठ के अंत मे शारीरिक सरंचना के बारे में कक्षा में छात्र 40-50 शब्दो मे लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों की लेखन कौशल का विकास होगा • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत मे 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझ कर वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे जैसे- प्लाज्मा, ब्लड- बैंक आदि	

	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: ● पौष्टिक आहार में क्या-क्या शामिल किया जाता है ● चर्चा (शारीरिक संरचना पर) । ● लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। ● प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	जीवन में संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन के मूल्य को समझते हुए अपनी दिनचर्या को सुधारने की सलाह दी जाएगी।	

पाठ -7	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
	श्रवण वाचन कौशल का विकास	● मूक प्राणियों के व्यवहार का ज्ञान पर चर्चा करते हुए पाठ को पढ़ाते और समझाते हुए कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे ● पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	
पाठ-7-पापा खो गए	पठन कौशल का विकास	● समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। ● पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम सात वाक्य(४०	विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दों/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं, जैसे

		से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	- बरसात के दिनों में हरा भरा होना? विषय पर चर्चा ।
	लेखन कौशल का विकास	पाठ के अंत मे किन्ही दो निर्जीव वस्तुओं की आपस में बातचीत करवाते हुए अपने विचार संवाद के रूप में लिखकर प्रस्तुत करेंगे । 5 - 5 वाक्य लिखते हुए संवाद लेखन मे सक्षम होंगे। ● एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। ● पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। ● मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	● 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझ कर वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे । जैसे - बॉक्स , खंबा , बेहोश , दुष्ट , मुद्रा ● नए शब्दों के अर्थ जानकर वाक्य प्रयोग के माध्यम से अभ्यास करेंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: ● कक्षा में छात्रों से अभिनय करवाना । ● चर्चा अन्य लेखक के नाटक पर । ● लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से।	

		• प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	निस्वार्थ भाव से लोगों की मदद करने की सीख देना। हर व्यक्ति और वस्तु का अपना विशेष महत्व है इस बात को समझना।	

पाठ -8	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-8- शाम एक किसान	श्रवण कौशल का विकास	• कवि द्वारा प्रकृति का मानवीकरण करके प्रस्तुत किया गया है। • विद्यार्थियों द्वारा प्रकृति के मनोभावों को समझाते हुए प्रकृति प्रेम की भावना को जाग्रत करना। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओं, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम चिन्ह और व्याकरण जैसे- क्रिया विशेषण, शब्द युग्म आदि का प्रयोग करते हैं ।
	वाचन कौशल का विकास	• ओजस्विता पूर्ण कविता वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा। • कविता का सस्वर गायन करेंगे। • नए शब्दों के उच्चारण में सावधानी रखना।जैसे- साफा, चिलम , पलाश , अंगीठी, अंधकार	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंक का पाठन करेंगे।	

		• विद्यार्थियों को कवि की अन्य कविताओं के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम सात वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे। •	
	लेखन कौशल का विकास	• पाठ के अंत में विद्यार्थी किसान के जीवन व् प्रकृति के बारे में 40-50 शब्दो मे अपने विचार कक्षा में लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा। • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझ कर वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम	

		होंगे । जैसे- दहक , सिमटा , चिलम , अंगीठी, अंधकार	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: ● किसान द्वारा किए गए परिश्रम पर चर्चा ● किसान का महत्व कितना ? ● लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। ● प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	प्रकृति के प्रकोप से जूझता किसान परिश्रम से मुंह नहीं मोड़ता अतः उसके प्रति हमारे मन में सम्मान और श्रद्धा के भाव होने चाहिए।	

पाठ -9	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-9 चिड़िया की बच्ची	श्रवण कौशल का विकास	● विद्यार्थियों द्वारा आज़ादी के महत्व को समझते हुए आजादी को प्राप्त करने की भावना जाग्रत करना। ● पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताते हुए शुद्ध उच्चारण पर बल दिया जाएगा। ● पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी.टी, स्मार्टबोर्ड, पिंजरे में बंद पक्षी का चित्र।	विभिन्न संवेदनशील मुद्दों, विषयों, जैसे- जाति ,धर्म, रंग, जेंडर,रीति - रिवाज़ों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ को अभिव्यक्त करते हैं।।

		• पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• ओजस्विता पूर्ण पाठ के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा। • 5 नए शब्दो का शुद्ध उच्चारण द्वारा वाचन कौशल करने मे सक्षम होंगे। जैसे - बेखटके , असावधान , संकोच , बहुतेरी , बहार	
	पठन कौशल का विकास	• विद्यार्थियों को कवि की अन्य कविताओं के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना। • समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम सात वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• पाठ के अंत मे आज़ादी के महत्व के बारे में कक्षा में छात्र अपने विचार 40-50 शब्दो मे लिखेंगे जिसके द्वारा छात्र अपने विचारो को व्यक्त करने मे सक्षम होंगे। • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे।	

		• पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझकर उनसे वाक्य निर्माण में सक्षम होना । जैसे - बेखटके , असावधान , संकोच , बहुतेरी , बहार आदि	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना। • चर्चा प्रकृति के बारे में । • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	प्रकृति की विभिन्न वस्तुओं से स्वाभाविक अनुशासन सीखने को मिलता है। हमें सतर्क व सचेत रहने की आवश्यकता है।	

पाठ 10	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-10 अपूर्व अनुभव	श्रवण कौशल का विकास	• दिव्यांगो की सहायता के लिए प्रेरित करते हुए पाठ में प्रयुक्त कठिन शब्दों के अर्थ समझाते हुए वाचन होगा।	

		• पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	किसी पाठ्य वस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मद्द लेते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	• पाठ की व्याख्यात्मक पद्यति द्वारा । • शिक्षक की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे। • विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम 5 से 6 नवीन शब्दों व कठिन शब्दों को पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पाठन करेंगे। • शुद्ध व स्पष्ट वाचन द्वारा भाषा ज्ञान में वृद्धि मे सक्षम होंगे। • जैसे - पोलियो ग्रस्त , दृढ़ निश्चय, यासूकी चांन ,आत्मसंतुष्टि • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम सात वाक्य(४० से ४५ शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे। •	
	लेखन कौशल का विकास	पाठ के अंत में पाठ मे वर्णित अद्भुत पाठशाला और उसमें पढ़ने वाले बच्चों की कहानी पर छात्र अपने विचार 40-50 शब्दो मे लिखने मे सक्षम होंगे।	

		• एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम 8 से 10 नवीन शब्दों व कठिन शब्दों को पढ़ने में सक्षम होंगे। जैसे - आमंत्रित , परिश्रम, शारीरिक, अपंगता आत्मसंतुष्टि आदि	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • चर्चा अपने बचपन के अनुभव । • लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	दृढ़ इच्छाशक्ति, बुद्धि और परिश्रम से कुछ भी प्राप्त किया जा सकता है।	

पाठ-11	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-11 रहीम के दोहे	श्रवण कौशल का विकास	• रहीम के दोहों के माध्यम से छात्रों को मानवीय व्यवहार से जोड़ना । • विषय पर चर्चा करते हुए शिक्षक द्वारा दोषों का अर्थ है रहीम दास जी ने किस तरह कम शब्दों में अधिक अर्थ समझाया है यह बताया जाए। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	विविध कलाओं जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला आदि से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	• ओजस्विता पूर्ण दोहा वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा। • 3 दोहों का सस्वर गायन करने मे सक्षम होंगे।।	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी कम से कम 3 दोहो को पढ़ कर उनके अर्थ करने में सक्षम होंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(५० से ६० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	

	लेखन कौशल का विकास	कबीर के 4 दोहे व उनसे प्राप्त शिक्षा कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों की लेखन कौशल का विकास होगा। • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में कम से कम 8 से 10 नए शब्दों के अर्थ बताने में सक्षम होगें जैसे- संपत्ति, विपत्ति . कसौटी ,तरुवर , सुजान • दोहे में प्रयुक्त शब्दों का मानक रूप खोजने मे सक्षम होंगे ।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • चर्चा रहीम की अन्य रचनाओं की। • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • दोहे कंठस्थ करके कक्षा में प्रस्तुत करेंगे।	
	नैतिक मूल्य	दोहों में छिपी शिक्षा को अपनाने से मनुष्य में त्याग की भावना का विकास होता है।	

पाठ-12	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल

पाठ-12-कंचा	श्रवण कौशल का विकास	• बाल मनोभाव के विषय में चर्चा करते हुए बच्चों के बालसुलभ व्यवहार का वर्णन करना। • कठिन व नए शब्दों के अर्थ समझाते हुए पाठ का वाचन करवाया जाएगा। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	भाषा की बारीकियों/व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे - किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग - आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल रेल जैसे प्रयोग।
	वाचन कौशल का विकास	• पूर्वज्ञान के आधार पर छात्रों को पाठ से जोड़ा जायेगा। • मात्राओं और विराम चिन्ह को ध्यान में रखते हुए पढ़ने से वाचन कौशल का विकास होगा ।	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पाठन करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(५० से ६० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
		बच्चों के खेल के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण विषय पर	

	लेखन कौशल का विकास	कक्षा में छात्र40-50 शब्दो मे अपने विचार लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा । ● एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। ● पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। ● मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	पाठ के अंत में कम से कम 8 से 10 नए शब्दों के अर्थ बताने में सक्षम होगें जैसे - क्लर्क, मास्टर, ड्राइवर, चिकोटी , पोटली ● वाक्य प्रयोग द्वारा नहीं शब्दों का अभ्यास करें।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना ● चर्चा पूर्व काल के खेल सामग्रियों पर। ● लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। ● प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	अपने मन को परिस्थितियों के अनुसार सहजता से परिवर्तित करने की कला से परिचित कराना।	

पाठ 13	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 13 एक तिनका	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। • कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए कविता का सस्वर वाचन करवाना। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/पत्रिका, कहानी, जानकारिपरक सामग्री, इंटर्नेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	• कक्षा में बच्चों से कविता का क्रमानुसार वाचन करवाया जाएगा जिससे उनके सही उच्चारण का अभ्यास होगा 5 नए शब्दो को जानने मे सक्षम होगें । जैसे-घमंड , झिझक , बेचैन, पाव , तिनका	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पाठन करेंगे। • शिक्षक की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , 5 नए शब्द सीखेंगे जैसे -घमंड , झिझक , बेचैन, आदि ।जिससे पठन कौशल का विकास होगा ।	

		• पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(५० से ६० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	अभिमान के दुष्प रिणाम कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों की लेखन कौशल को जानना। • पाठ के अंत में विद्यार्थी अपने विचार 40-50 शब्दो मे लिखने मे सक्षम होगें । • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ लिखने मे सक्षम होगें । जैसे- आंख , बूट , मुंडेर ,घमंड , तिनका वाक्य प्रयोग द्वारा नए शब्दों का अभ्यास करेगे	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • चर्चा अभिमानी राजाओं की कहानियों पर । • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	

	नैतिक मूल्य	बड़े छोटे का भेद न करते हुए सब के साथ एक समान व्यवहार करना। अपने मन में घमंड अहंकार की भावना को पनपने ना देना ।	

पाठ 14	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 14 खानपान की बदलती तस्वीर	श्रवण कौशल का विकास	• वर्तमान खाद्य व्यवस्था पर चर्चा करते हुए कहानी में प्रयुक्त विभिन्न भाषाओं के खाद्य व्यंजनों से संबंधित शब्दों का ज्ञान करवाना। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते है/परिचर्चा करते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	• आधुनिक युग के खानपान से होने वाले हानिलाभ का वर्णन कर पाठ से जोड़ा जायेगा। • खानपान की मिश्रित संस्कृति और खानपान में बदलाव के फायदे पर 30 शब्दो मे चर्चा करने में सक्षम होंगे	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंक का पाठन करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(५० से	

		६० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	वर्तमान खाद्य व्यवस्था कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों की लेखन कौशल का विकास करने मे सक्षम होंगे । छात्र अपने विचार 40-50 शब्दो मे लिखने मे सक्षम होंगे । ● एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। ● पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। ● मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में कम से कम 8 से 10 नए शब्दों के अर्थ बताने में सक्षम होगें जैसे -- फास्ट फूड ,संस्कृति, गुणवत्ता, एथनिक आदि	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: ● परिचर्चा सेहतमंद रहने के उपायों की। ● लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। ● कहानी के अंत में दिए अभ्यास कार्य के माध्यम से।	

	नैतिक मूल्य	अच्छा स्वास्थ्य और स्वस्थ शरीर ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है।	

पाठ-15	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-15-नीलकंठ	श्रवण कौशल का विकास	• विद्यार्थियों द्वारा पशु-पक्षी के मनोभावों को समझते हुए भाव-भंगिमा से परिचित होंगे। • पाठ का भाव और कठिन शब्दों का अर्थ समझते हुए पढ़ाया व समझाया जाएगा। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे - अपनी गाँव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह तरह के कार्य करने वालों की बातचीत ।
	वाचन कौशल का विकास	• पक्षियों के बारे मेंअध्यापिका विद्यार्थियों को बता कर एक नए पक्षी की विशेषताओं से अवगत करवाते हुए पाठ से जोड़ेगी । • राष्ट्रीय पक्षी मोर पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थी अपने भाव प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।।	
	पठन कौशल का विकास	• विद्यार्थियों को पशु और पक्षियों के बारे मे जानकारी देते हुए पाठ का पठन कार्य कक्षा में करवाया जाएगा। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(५०	

		से ६० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	अपने पालतू पशु या पक्षी के विषय 40-50 शब्दो में अनुच्छेद लिख कर अपने भावों की अभिव्यक्ति देंगे और लेखन कौशल का विकास करने में सक्षम होंगे। • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानेगे । • जैसे- स्टेशन, आतिथि, रोजगार , अलमारी ,आक्रमण • वाक्य प्रयोग द्वारा नवीन शब्दों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • चर्चा (जीवन में पशु-पक्षियों की घटित घटनाएँ ।) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	असहाय और बेजुबान प्राणियों के प्रति मन में करुणा के भाव रखने की सीख देना।	

पाठ -16	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-16- भोर और बरखा	श्रवण कौशल का विकास	• विद्यार्थियों को प्रकृति की सुन्दरता से अवगत कराना। • कविता का सस्वर वाचन करवाना और कठिन शब्दो के अर्थ समझना। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों,मुहावरों,लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	• कृष्ण के बचपन की घटनाओं पर चर्चा करते हुए शिक्षक द्वारा छात्रों को कविता से जोड़ा जाएगा। • कृष्ण के विभिन्न नामों जैसे - कान्हा , श्याम, मुरलीधर आदि पर चर्चा करेंगे	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंक का पाठन करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(५० से ६० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• मीरा और कृष्ण के बारे में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों की लेखन कौशल का विकास होगा। • छात्र अपने विचार 40-50 मे लिखने मे सक्षम होंगे। • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे।	

		• पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने मे सक्षम होंगे। जैसे - ललना , कंगना , गउवन, गिरधर , शरन • बृज भाषा के शब्दों को समझने मे सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • चर्चा मीरा की अन्य रचनाओं • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	निश्छल और निस्वार्थ प्रेम को जीवन में पहचानना और उसकी कदर करना।	

पाठ 17	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-17-वीर कुंवर सिंह	श्रवण कौशल का विकास	• स्वतंत्रता संग्राम का मूल्य समझाते हुए विद्यार्थियों को स्वाभिमान से जीने के लिए के लिए प्रेरित करना । • क्रांतिकारियों के बलिदान से अवगत कराना। • पाठ के कठिन शब्दो के अर्थ बताना व पाठ पढ़ाना । • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह	किसी पाठ्यवस्तु की बारी की से जाँच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं ।

		वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा। • 5 कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण करने मे सक्षम होंगे। जैसे - विद्रोह, घोषित, अत्यधिक , युद्ध, संघर्ष	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंक का पाठन करेंगे। • विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के मूल्य के माध्यम से स्वतंत्रता के महत्व से परिचित कराना। • • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(५० से ६० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों की लेखन कौशल का विकास होगा। पाठ के अंत में स्वतंत्रता पर अपने विचार 40-50 शब्दो मे लिखकर प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे	

		• एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ समझ कर वाक्य में प्रयोग करने में सक्षम होंगे । जैसे - स्वाभिमानी , व्यक्तित्व , स्वभाव व्यवस्था , उल्लेखनीय	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • चर्चा स्वतंत्रता संग्राम पर । • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	स्वतंत्रता का मूल्य पहचानते हुए अपने देश के स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मान देना।	

पाठ 18	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-18	श्रवण कौशल का विकास	• राष्ट्रीय खेल हॉकी से जोड़ते हुए छात्रों द्वारा अपने जीवन में मनोरंजन के स्रोतों का विश्लेषण करना ।	

संघर्ष के कारण के तुनक मिजाज़		• कठिन व नए शब्दों के अर्थ समझाते हुए पाठ को समझाना। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	भित्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं ।
	वाचन कौशल का विकास	• ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा। • अपने पसंदीदा हॉकी खिलाड़ी के विषय पर कक्षा में विद्यार्थियों के साथ चर्चा की जाएगी एवं विद्यार्थी अपने विचार प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पाठन करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(५० से ६० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	लेख के माध्यम से अन्य खिलाडियों के बारे में छात्र 5 से 6 वाक्य लिखकर अपना लेखन कौशल बढाएगे • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे।	

		• पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में कम से कम 8 से 10 नए शब्दों के अर्थ बताने में सक्षम होगें • जैसे -साक्षात्कार , सुप्रसिद्ध , हैसियत, जूनियर , राष्ट्रीय आदि	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • मेजर ध्यानचंद पर चर्चा। • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	अनजाने में हुई भूल की माफी मांग लेने में ही समझदारी है।	

पाठ 19	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ- 19 आश्रम का अनुमानित व्यय लेखा जोखा	श्रवण कौशल का विकास	• गाँधी जी के किये गये कार्यो पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को गांधीजी द्वारा किये गये आश्रमों की स्थापना से अवगत करवाना । • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह	किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं ।

		वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं ।
	वाचन कौशल का विकास	• ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा। • गाँधी जी के पूर्वज्ञान के आधार पर छात्रों को पाठ से जोड़ा जायेगा । • गांधी जी के जीवन पर अपने विचार 5 से 6 वाक्यो मे प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पाठन करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(५० से ६० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे। • भाषा के शुद्ध उच्चारण मे सक्षम होंगे। • जैसे- संभावना , व्यवस्था, सपरिवार, औजार , व्यक्ति	
	लेखन कौशल का विकास	गाँधी जी के आन्दोलन के बारे में छात्र 6 से 7 वाक्य लिखेंगे जिसके माध्यम छात्रों का लेखन कौशल का विकास होगा • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे।	

		• पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	• पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना मे सक्षम होंगे| जैसे- बैलगाड़ी , स्थानीय , हथकरघा , राजमिस्त्री , औजार	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा- गाँधी जी के जीवन पर लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। जैसे- 1 गांधी जी का जन्म कहां हुआ था? 2 उन्होंने अपने आश्रम की स्थापना किस शहर में की? प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	अपना कार्य स्वयं करने में शर्म नहीं गर्व का अनुभव होना चाहिए।	

पाठ 20	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ- 20 विप्लव गायन (कविता)	श्रवण कौशल का विकास	• स्वाधीनता संग्राम की लड़ाई में जुड़े लोगों में जोश और आत्मविश्वास भरती कविता पढ़ाई व समझाई जाएगी।	विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे - अपनी गाँव की चौपाल की

		• पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित छह सात प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग ४० से ४५ शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह तरह के कार्य करने वालों की बातचीत ।
	वाचन कौशल का विकास	• ओजस्विता पूर्ण कविता वाचन के माध्यम से पूर्व ज्ञान से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा। • 5 से 6 कठिन नए शब्दों का शुद्ध उच्चारण सीखेंगे • जैसे- हिलोर, सावधान , चिंगारियां , महानाश , रूद्र	
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पाठन करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(५० से ६० शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• पाठ के अंत में कवि के जीवन के बारे में छात्र लिखेंगे जिसके माध्यम छात्रों का लेखन कौशल का विकास । • छात्र अपने विचार 40-50 शब्दो मे प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे। • एक अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण पर लिख पाने में सक्षम होंगे।	

		• पाठ में आये विषय पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन पर 40-50 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में 8 से 10 नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे। जैसे- हिलोरे , चिंतामणि , चिंगारियां आदि |	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • चर्चा-कवि के अन्य रचनाओ पर • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	जीवन में हो रहे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार करने की प्रवृत्ति का विकास।	